Dr. Vandana Suman
Associate professor
Dept. of Philosophy
H. D. Jain College, Ara

B. A. Part – II (Hons)
Paper – IV
पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
(Western Philosophy)

Notes /

1 Leibnitz: "Prove the existence of God"

GRB BOOKS

(लाइबनिज ईश्वर के अस्तित्व को प्रमाणित करते हैं।)

लाइबनिज भी देकार्त और स्पिनोजा की तरह एक बुद्धिवादी दार्शनिक थे। उन्होंने इन्होंने डेमोक्रिटस को लेटो से अरस्तू को देकार्त से शास्त्रीयों को आधुनिक दार्शनिकों से तथा धर्म-विज्ञान को नीतिशास्त्र से युक्तियों के आधार पर मिलाने की कोशिश की है। लाइबनिज को समन्वयवादी भी कहा जाता है।

दर्शन का इतिहास देखने से यह पता चलता है कि मानव प्राचीन काल से ही ईश्वर की सत्ता को प्रमाणित करने के लिए प्रयास करता रहा है। इसे प्रमाणित करने के लिए भिन्न-भिन्न दार्शनिकों ने जैसे – अन्सेलम, देकार्त, स्पीनोजा, लाइबनिज आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये हैं।

लाइबनिज ने ईश्वर की सत्ता को सिद्ध करने के लिए कई प्रमाण दिये हैं जिनमें

1. तात्विक युक्ति (ontological proof) विशेष है लाइबनिज के अनुसार प्रत्येक Monad में दो पक्ष है — वास्तविक (actual) और सम्भावित (Possible) सक्रियता (activity) और निष्क्रियता (Passivety) होती जो Monad जितने उच्चतर और अधिक उनमें उतनी ही वास्तविकता सक्रियता होगी और जो Monad

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS

GRB BOOKS

Notes

जितने निम्नतर होंगे उसमें उतनी ही मात्रा में निष्क्रियता होगी। चूंकि ईश्वर सोपानक्रम में सर्वोच्च Monad है इसलिए उसके अन्दर सभी निष्क्रियता और सम्भावना वास्तविक हो गई है। इससे प्रमाणित होता है कि ईश्वर पूर्णतया वास्तविक है दूसरे शब्दों में ईश्वर का अस्तित्व इस प्रकार प्रमाणित किया जा सकता है। यदि ईश्वर सम्भव है तो उसकी सत्ता है क्योंकि उसका अस्तित्व उसकी सम्भावना का अनिवार्य परिणाम है। ईश्वर की सभी सम्भावना वास्तविक है जबकि अन्य Monads में सम्भावना यथार्थ नहीं हो पाई है। ईश्वर सम्भव है क्योंकि ईश्वर के विषय में संगतरूप से सोच सकते हैं। चूंकि ईश्वर सम्भव है इसलिए वह वास्तविक भी है। अतः ईश्वर की सम्भावना से उसकी वास्तविकता प्रमाणित होती है।

(2) लाइबनीज ने ईश्वर की सत्ता को प्रमाणित करने के लिए विश्व सम्बन्धी प्रमाण देते हुए कहा है कि विश्व की प्रत्येक वस्तु आकस्मिक है क्योंकि हम उसका अनस्तित्व सोच सकते हैं उसी प्रकार हम सम्पूर्ण विश्व की अनस्तित्व सोच सकते हैं उसी प्रकार हम सम्पूर्ण विश्व का अनस्तित्व सोच सकते हैं और इसलिए

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS

Notes! GRB BOOKS

विश्व भी आकस्मिक है। परन्तु सभी संयोगात्मक सत्य के आधार में पर्याप्त हेतु रहना चाहिए। समस्त विश्व का पर्याप्त हेतु ईश्वर है।

(3) लाइबनिज का तीसरा प्रमाण यह है कि यह शाश्वत सत्ताओं पर आधारित है, कुछ सत्य शाश्वत हैं, जैसे — 2+2 = 4 इस प्रकार की अनादि सत्यता का आधार आपातिक नहीं हो सकता है क्योंकि ये ईश्वर के मन में रहते हैं और इसलिए ईश्वर आवश्यक है।

(4) लाइबनिज के अनुसार ईश्वर न्यायपूर्ण मंगलकारी तथा प्रेममय है इसने समस्त विश्व की रचना ऐसी की है कि सभी का अन्त में कल्याण हो "The world is the result of the wisest and best choice and so it must the best possible world.

लाइबनिज के ईश्वर सम्बन्धी उपर्युक्त प्रमाणों पर कुछ विद्वानों ने आक्षेप किए हैं जिनका मुख्य आक्षेप इस प्रकार है —

1. लाइबनिज का विश्व सम्बन्धी युक्ति विश्व को आकस्मिक मानती है और इसके कारण के सिलसिले में ईश्वर की स्थापना करती है। यहाँ आलोचकों का कहना है कि यह मानना कि विश्व की प्रत्येक वस्तु आकस्मिक है, यह उचित नहीं है। यदि किसी प्रकार यह मान भी लिया

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS

GRB BOOKS

Notes

आत तो यह कदापी नहीं सिद्ध होता कि विश्व अपनी सम्पूर्णता में आकस्मिक है अतः यह युक्ति गलत है।

2. विश्व सम्बन्धी प्रमाण के अनुसार विश्व एक आकस्मिक सत्ता है। इस आकस्मिक विश्व का कारण ईश्वर को ठहराया जाता है जो कि एक आवश्यक सत्ता है। अब यहाँ प्रश्न उठता है कि क्या आवश्यक सत्ता से आकस्मिक सत्ता का प्रादुर्भाव हो सकता है? यदि प्रकाश से अन्धकार का निर्माण असम्भव है तो आवश्यक सत्ता से आकस्मिक सत्ता का निर्माण कैसे सम्भव हो सकता है? अतः यह प्रमाण तर्कहीन एवं अमान्य है।

3. लाइबनिज का तात्विक युक्ति ईश्वर को सर्वोच्च Monad मानता है जिसमें दो पक्ष होते हैं। वास्तविक और 2. सम्भावित किन्तु यहाँ प्रश्न उठता है कि एक ही पदार्थ दो तरह के कैसे हो सकते हैं? यदि ईश्वर सम्भव है तो वह वास्तविक नहीं, और यदि वह वास्तविक है तो उसे सम्भव नहीं कहा जा सकता है। अतः सम्भव के आधार पर वास्तविक सिद्ध नहीं की जा सकती है।

4. लाइबनिज का कहना है अनादि सत्यता का आधार आपतिक नहीं हो सकती है।

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS

Notes /
GRB BOOKS

परन्तु लाइबनिज ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया है कि वास्तविक कारणाएँ आपातिक ही हो सकती है। यह ठीक है कि लाइबनिज ने ईश्वर के अस्तित्व को भी अनिवार्य सत्यता के अन्तर्गत माना है पर यह उनकी तार्किक खोज से मेल नहीं खाता।

इसप्रकार लाइबनिज ने ईश्वर को प्रमाणित करने के लिए जो तर्क दिये वे सन्तोषप्रद साबित नहीं हुए। इस तरह लाइबनिज ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने में पूर्णतः सफल नहीं हो सके।

सगम पास-बुक